दैनिक पंचांग

21 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.08 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	09.41 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	11.11 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.49 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	17.03 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.19 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.41 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृश्चिक	01.56 बजे से
		धनु	04.12 बजे से
		मकर	06.17 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 21 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 02.48 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 13.58 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 18.59 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 14.48 बजे तदनन्तर गर 02.48 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 2.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 57' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872596 **जूलियन दिन** 2461061.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्यारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** साबान **तारीख** 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नील गगन के नक्षत्र

3	7	8	0
148	377	116	145
157	467	125	244
256	566	990	488

दिन-670-135

मधुर डे-379-445 मधुर नाइट-

मिलन डे-347-169 मिलन नाइट-

भविष्यफल

आज जन्म लिए बालक का फल.....

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी तीज बुधवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, व्यय योगे, तैतिल करणे, कुंभ की चंद्रमा, सूती स्नान, लघु वृक्षा रोपण, व्यापार क्रय विक्रय, पुसवन तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ एवं उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिया बालक, योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, योगी, भोगी तथा लेखक, कवि होगा।

मेष राशि : समाज में प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि के साधन प्राप्त करें, कार्य व्यवस्था बनेगी, ध्यान रखे।

वृष राशि : आर्थिक योजना सफल हो, सतर्कता एवं तटस्थता से चलकर कार्य करें, लाभ होगा।

मिथुन राशि : प्रत्येक कार्य में परेशानी व चिन्ता, व्यग्रता, असमंजस में एवं कार्य में ध्यान दें।

कर्क राशि : दैनिक कार्यगति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण मन संदिग्ध रखेगा, कार्य करें।

सिंह राशि : तनाव क्लेश व अशांति, व्यर्थ धन का व्यय तथा समय नष्ट होवे, ध्यान दें।

कन्या राशि : स्त्री शारीरिक सुख, भोग ऐश्वर्य सामाजिक कार्यो में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि : विभ्रम आरोपों से अशांति तथा स्वास्थ्य नरम अवश्य रहेगा, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि : आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्य गति उत्तम, चिन्ता होगी।

धनु राशि : इष्ट मित्र सुखवर्धक हो, कार्यगति अनुकूल होवे तथा कार्य बनें।

मकर राशि : परिश्रम से कुछ सफलता के साधन जुटाए, मान प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि होगी।

कुंभ राशि : परिश्रम से कुछ सफलता के साधन जुटाए, मानसिक व्यग्रता संभंव होगी।

मीन राशि : लेनदेन में हानि दूसरों के कार्यो में समर्थन नष्ट होवेगा, समय से काम लें।

ज्योतिष उपाय : जानें अलग-अलग दिनों पर नाखून काटने के फायदे नुकसान

सप्ताह के हर दिन का अपना अलग महत्व होता है. ज्योतिष के अनुसार, शनिवार और रविवार को छोड़कर अन्य सभी दिन नाखून काटने के लिए उपयुक्त होते हैं. आईए जानते हैं किस दिन नाखून काटने से कौन से फायदे होते हैं.

आयुर्वेद में कहा गया है कि नियमित रूप से हाथों और पैरों के नाखून काटने से पाचन तंत्र में सुधार सहित विभिन्न स्वास्थ्य लाभ होते हैं. लोग ज्यादातर रविवार या किसी अन्य छुट्टी के दिन ही समय मिलने पर नाखून काटते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि सप्ताह के अलग-अलग दिन नाखून काटने से क्या फायदा और नुकसान होता है.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सप्ताह का प्रत्येक दिन अलग ग्रह से जुड़ा होता है. नाखून बढ़ने से शरीर के तमोगुण में वृद्धि होती है. जिसके कारण मनुष्य निद्रा, आलस्य के वशीभूत हो जाता है. ज्योतिष में कहा गया है कि सोमवार को नाखून काटने से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त होता है, जबकि मंगलवार को नाखून काटने से कर्ज से मुक्ति में सहायता मिलती है.

अलग-अलग दिनों में नाखून काटने के फायदे

रविवार- रविवार के दिन नाखून काटने से बचें क्योंकि इससे शाही सेवा करने में समय की बर्बादी होती है.

सोमवार- सोमवार का संबंध मन से होता है. हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मन की स्थिति पर निर्भर करना है. सोमवार को नाखून काटने से तमोगुण से छुटकारा पाने में मदद मिलती है.

मंगलवार- मंगलवार के दिन नाखून काटने से कर्ज से छुटकारा पाने में मदद मिलती है. इस दिन नाखून काटने से कर्ज चुकाने को लेकर होने वाले वाद-विवाद से भी राहत मिलती है.

बुधवार- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बुधवार का दिन व्यापारी वर्ग के लिए वृद्धि का दिन माना जाता है। इसलिए, जब कोई व्यक्ति इस दिन अपने नाखून काटता है, तो उसे नौकरी में बुद्धि के माध्यम से धन प्राप्त करने की संभावना होती है.

गुरुवार- गुरुवार के दिन नाखून काटने से सत्त्व गुण की वृद्धि होती है. गुरु को आध्यात्मिक ग्रह के रूप में जाना जाता है और यह पूजा के लिए प्रेरित करता है.

शुक्रवार- बिना शर्त प्रेम और कला का संबंध शुक्र ग्रह से है. इसलिए, यदि आप इस दिन अपने नाखून काटते हैं, तो आप अपने करीबी दोस्तों या परिवार से मिलने के लिए लंबी दूरी तय कर सकते हैं.

शनिवार- शनिवार के दिन भूलकर भी नाखून नहीं काटने चाहिए. इस दिन नाखून काटने से मानसिक स्थिरता कमजोर हो सकती है।

गुरू महेश जैन, इंटरनेशनल ज्योतिषाचार्य,
अनुष्ठानकर्ता, राणापुर जिला झाबुआ मध्यप्रदेश,
7000098868 9425188009

ईंट भट्टों के धुएं की वजह से रोहिणी तीर्थ में सेवारत समिति पीछे हटी

बड़वानी (अशोक पंडित)। 25 जनवरी को नर्मदा तटों पर नर्मदा जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। वहीं शहर से नर्मदा तट राजघाट के बीच रोड़ किनारे संचालित ईंट भट्टों के विरोध में सामाजिक समिति ने सेवा कार्यो से हाथ खींच कर विरोध दर्ज कराया। रोहिणी तीर्थ में बैकवाटर किनाने बीते नौ वर्ष से चाय, पानी व प्रसादी का स्टॉल लगा रही समिति ने शुक्रवार सुबह से अपनी सेवाएं रोक दी।

दरअसल बैकवाट किनारे ही ईंट भट्टों के धुएं से परेशानी आना और रोड़ किनारे ईंट भट्टे संचालित होने से दुर्घटनाओं का अंदेशा रहता है। रोहिणी सामाजिक सेवार्थ समिति के सचिन शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2017-18 से राजघाट में नए घाट के निर्माण व बांध भरने के बाद से समिति द्वारा जनसहयोग से निरूशुल्क चाय, पानी, प्रसादी स्टॉल संचालित किया जा रहा है। परिक्रमावासियों की सेवा के साथ मार्गदर्शन सहित कई सेवाएं दी जा रही हैं। प्रतिदिन साफ-सफाई, स्नान करने वालों से नर्मदा की स्वच्छता बनाए रखने का आव्हान सहित सुबह-शाम आरती-पूजन कराया जा रहा है। वहीं डूब के बाद नर्मदा किनारे से रोड़ के दोनों ओर ईंट भट्टे संचालित हो रहे हैं। बैकवाटर के पास ही ईंट भट्टों के चलते सेवाएं दे रहे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दे कि गत दिनों समिति ने एसडीएम को आवेदन सौंपकर ईंट भट्टों को रोड़ से निर्धारित दूरी पर संचालन करवाने की मांग की थी। ईंट भट्टे रोड़ के दोनों ओर किनारों तक फैलने से दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ गया है।

नर्मदा जयंती पर होंगे विभिन्न आयोजन - समिति सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां नर्मदा जन्मोत्सव का कार्यक्रम 24 एवं 25 जनवरी को नगर पालिका द्वारा निर्मित आश्रय स्थल के पास में संपन्न कराया जाएगा। 24 जनवरी की शाम 7 बजे से भव्य सुंदरकाण्ड पाठ व ाजन संध्या होगी। जबकि 25 जनवरी को सुबह 9 बजे नर्मदा तट राजघाट पर मां नर्मदा का पूजन-अर्चन, अभिषेक होगा। सुबह 10 बजे मां नर्मदा को 1000 मीटर की चुनरी अर्पण की जाएगी। महाआरती के बाद दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे की शुरूआत होगी। श्रद्धालुओं ने बताया कि नर्मदा तट राजघाट सुबह शाम हजारों लोग नर्मदा दर्शन करने आते हैं तथा ईंट भट्टों के धुएं से आमने-सामने दिखता भी हीं है। जिससे कभी भी दुर्घटना घट सकती है। वहीं सड़क किनारे मिट्टी के घोल से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ट्रैक्टर जाते हैं, तो कीचड़ भरे होने से सारी गिली मिट्टी सड़क पर फैल जाती है। जिससे दो पहिया वाहन फिसलने का डर रहता है। वहीं इसके धुएं से घातक बीमारियां फैलने का डर बना रहता है। इसका धुआ सांस के जरीये शरीरी में उतर कर कैंसर, फेफड़े, लंग्स जैसी बीमारी बढ़ती है। उधर एसडीएम भूपेंद्र रावत ने बताया कि त्यौहार तक ईंट भट्टे हटा देंगे। इसे लिए ईंट भट्टे संचालकों को नोटिस जारी कर दिये हैं। वहीं पटवारी जी भी मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे।

विद्या समय पूर्ण हथ करघा केंद्र एवं प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण

बड़वानी। परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य शिरोमणि विद्या सागर जी महाराज का राष्ट्र के लिए और राष्ट्रीयता के लिए एक स्वप्न था हाथ करघे शुरू करने के लिए लोगों को प्रेरित किया और अब वह स्वप्न धीरे-धीरे निमाड़ क्षेत्र में भी साकार होने लगा है। उसी कड़ी में परम पूज्य नवाचार्य समय सागर जी एवं परम पूज्य आर्यिका रत्न मां पूर्ण मति जी माता के आशीर्वाद एवं संघस्थ ब्रम्पचारिणी पिंकी दीदी के अथक प्रयास से हथ करघे का शुभारंभ परम श्रमण मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज के सानिध्य और बावनगजा ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद दोशी, सुरेश गंगवाल ट्रस्टी द्वारा फीता काट कर लोकार्पण किया गया। हाथ करघे के प्रारंभ होने से क्षेत्र के महिला और पुरूषों को स्वावलंबी बनाकर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रथम धोती दुपट्टा और साड़ी का लोकार्पण परम पूज्य गणधर आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी आचार्य श्री विप्रणत सागर जी आचार्य श्री प्रसन्न ऋषि जी के सानिध्य में संपन्न हुआ। आवश्यकता हुई तो करघे और बड़ा दिए जाएंगे। इस कार्य को निरंतर चलते रहने के लिए आचार्य भगवन्तों ने आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी और कमेटी का गठन किया गया है। इस केंद्र को संचालित करने के लिए कानपुर उत्तर प्रदेश पावरलूम प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षित दिनेश कुमार को नियुक्त किया है। संरक्षकत्र विनोद दोषी बाकानेर, अरिहंत अजमेरा, गौरव काला, यश सेठी को बनाया गया है।

औद्योगिक विकास को गति देने कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बड़वानी। जिले में औद्योगिक विकास को गति देने और रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने मंगलवार को ठीकरी विकासखंड में प्रस्तावित घटवा फूड क्लस्टर और रेलवा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने घटवा में प्रस्तावित फूड क्लस्टर की साइट का अवलोकन किया। उन्होंने उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि का विस्तृत सर्वे कराकर जल्द से जल्द लेआउट प्लान तैयार किया जाए। यह औद्योगिक क्षेत्र मुख्य रूप से माइक्रो एवं लघु फूड प्रोसेसिंग (खाद्य प्रसंस्करण) इकाइयों के लिए रहेगा। यह क्लस्टर 20 हेक्टेयर में फैला है, जो मुख्य मार्ग (मेन रोड़) के दोनों ओर 13 हेक्टेयर और 7 हेक्टेयर में विभाजित है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि क्लस्टर की स्थापना के बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके बाद उन्होंने रेलवा औद्योगिक क्षेत्र का भी जायजा लिया।

बड़े तालाब का निर्माण करना चाहिये पर्याप्त पानी रहेगा

बड़वानी अशोक पंडित। बावनगजा रोड़ किनारे नाले के ऊपर लगभग 5 हेक्टर से अधिक नाले किनारे पहाड़ी के निचे घुमावदार रोड़ किनारे अगर बड़े तालाब का निर्माण होता है, तो क्षेत्र में गरमी में पानी की कमी नहीं होगी। वहीं बरसाती पानी सारा रूका रहेगा। जिससे क्षेत्र के हरे-भरे पौधे जीवित होंगे। वहीं तालाब किनारे लगभग 50 हजार से अधिक पौधे लग सकते हैं, जिससे इस रोड़ पर घना जंगल बन सकता है। साथ ही जंगली जानवरों को पीने के पानी के साथ इसी क्षेत्र का वॉटर लेवल भी बड़ सकता है।

इसी क्षेत्र में बंदर के साथ तेंदुआ का निवास व राष्ट्रीय पक्षी मोर व अन्य रंग-बिरंगी चिड़ियों का वास हैं। वहीं इसी पहाड़ी के एक छोर पर घना जंगल बसा है। साथ ही राहगीरों को भी जानवरों को पानी पीने को मिल सकता है। साथ ही मांडू जैसा झील बन सकती है। अक्सर बरसात का पानी नाले के द्वारा बह जाता है। यह स्थान है, जहां घना जंगल बन सकता है। इसके आसपास ऊंची निची पहाड़ी है। वहीं वन विभाग ने इस जंगल बनाने के लिए घेर रखा है। वन्य प्राणी प्रेमियों एवं पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि इसी क्षेत्र में गरमी में पानी की बहोत कमी होती जाती है तथा सारे नाले सूख जाते हैं। वन विभाग को चाहिये की नाले को बंद कर इसी पहाड़ी पर जल स्त्रोत इखट्ठा करना चाहिये। अगर बड़े तालाब का निर्माण हो जाता है, तो पाल किनारे 50 हजार से अधिक पेड़ लग सकता हैं। साथ ही आगामी दिनों के लिये मांडू जैसा स्थल बन सकता है।

25 जनवरी को होगी पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता

बड़वानी। जिला स्तरीय पावरलिफ्टिंग चौम्पियनशिप जिला स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता 25 जनवरी सुबह 10 बजे सरलम वाटिका झमडिया गार्डन में होगी। फिटवेल जिम संचालक मनीष गुप्ता ने बताया कि यह प्रतियोगिता महिला व पुरुष सीनियर वर्ग में अलग-अलग वेट ग्रुप में होगी। विजेता खिलाड़ी आगामी 13 फरवरी को सीहोर में राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप में भाग लेंगे।

आनंद उत्सव के तहत हुई प्रतियोगिता

बड़वानी। नगर पालिका परिसर में 20 जनवरी को आनंद उत्सव 2026 के उपलक्ष्य में पारंपरिक खेल जैसे नींबू दौड़, कुर्सी दौड़, बोरा दौड़, रस्सा खींच, मटकी फोड़ अन्य खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियो एवं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं पार्षदों द्वारा बढ़-चढ़ कर खेल में अपना पूर्ण उत्साह से प्रतियोगिता में भाग लिया।

आदर्श और विधि महाविद्यालय का संयुक्त आयोजन

रासेयो के सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन, लोकसभा सांसद की ओर दिया जाएगा पुरस्कार

बड़वानी। राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर का आयोजन मेरा युवा भारत और डिजिटल साक्षरता थीम पर शहीद भीमानायक की प्रेरणा स्थल धाबाबावड़ी पर 19 जनवरी से प्रारंभ हुआ है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रविंद्र कुलकर्णी समाजसेवी और जिला मंत्री भाजपा, विशेष अतिथि भूपेंद्र जाट मंडल अध्यक्ष बडवानी ग्रामीण, विशेष रूप से उपस्थित विशिष्ट अतिथि डॉ आरएस मुजाल्दा जिला संगठक रासेयो प्राचार्य डॉ प्रमोद पंडित आदर्श महाविद्यालय प्रो रविंद्र चौहान शाविधि महाविद्यालय, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ बीएस मुजाल्दा उद्घाटन में अर्जुन चौहान ने अध्यक्षता की। विद्यार्थियों द्वारा अपने ग्राम की विशेषता और समस्या पर श्रेष्ठ निबंध लिखने वाले को सांसद की ओर से 5000 का नगद पुरस्कार दिया जाएगा, जो समापन अवसर पर भेंट किया जाएगा। ये शिविर के विद्यार्थियों के लिए रहेगा। कार्यक्रम अधिकारी प्रो आरआर मुवेल और डॉ सुनील कुल्हरे ने उद्घाटन की जानकारी देते हुए कहा कि शिविर में 7 दिन के लिए परियोजना कार्य, सांस्कृतिक, बौद्धिक कार्यक्रम होंगे।

मां नर्मदा को धन्यता प्रकट करने होगा निर्झरणी महोत्सव का आयोजन

बड़वानी। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नर्मदा जयंती के अवसर पर पवित्र मां नर्मदा को धन्यता प्रकट करने के उद्देश्य से निर्झरणी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संचालक, संस्कृति एनपी नामदेव ने बताया कि नर्मदा केवल नदी नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और सभ्यता की शाश्वत धरोहर है। उनके किनारों पर संस्कृतियां और परम्पराएं बसती हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी विरासत और संस्कृति के महत्व को जान और समझ सके, इसी विचार के साथ संस्कृति विभाग द्वारा निर्झरणी महोत्सव का आयोजन मध्यप्रदेश में मां नर्मदा के 11 पवित्र घाटों पर किया जा रहा है। निर्झरणी महोत्सव अंतर्गत 25 जनवरी को शाम 6 बजे से रामेश्वर महादेव मंदिर नवलपुरा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां संयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत बालकृष्ण धनगर एवं साथी बड़वानी द्वारा मालवी लोकगायन की प्रस्तुति दी जाएगी।

नितिन नबीन बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

बड़वानी। भारतीय जनता पार्टी के नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के पदभार ग्रहण के अवसर पर मंगलवार शाम को भाजपा जिला कार्यालय में उत्साह और उल्लास के साथ आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण कर उत्सव मनाया गया। जिला मीडिया प्रभारी सुनील भावसार ने बताया कि जिलाध्यक्ष अजय यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष अजय यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी नितिन नबीन के पदभार ग्रहण करने के अवसर पर साफ-साफ कहा कि मैं 2014 से लगातार देश का तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर हूं और उससे पूर्व गुजरात का कई वर्षों तक मुख्यमंत्री रहा। यह सब अपनी जगह पर है, लेकिन इन सबसे बड़ी मेरे जीवन में यदि कोई चीज है तो में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं और नितिन नबीन मेरे बोस है। प्रधानमंत्री मोदी जी के इस ऐतिहिसक बयान ने जता दिया कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जो लोकतंत्र तरीके से चलती है व पार्टी में परिवारवाद का दूर-दूर तक नामोनिशान नही है।

दीदियों को लखपति बनाने की दिशा में ठोस कार्ययोजना बनाई

कलेक्टर ने स्व सहायता समूह की दीदियों से किया संवाद

बड़वानी। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में आकांक्षी विकासखंड पाटी में स्व सहायता समूह की दीदियों के साथ मुर्गीपालन क्लस्टर एवं बकरी पालन क्लस्टर की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की दीदियों की आजीविका में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

बैठक में तय किया कि प्रत्येक आजीविका सीआरपी द्वारा लगभग 500 हितग्राहियों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। योजना के अंतर्गत प्रत्येक हितग्राही को 100 देसी नस्ल के चूजे उपलब्ध कराए जाएंगे। इन चूजों को लगभग दो माह तक पालन-पोषण कर बाजार में विक्रय किया जाएगा, जिससे दीदियों को अल्प समय में आय का सशक्त साधन प्राप्त होगा। साथ ही कड़कनाथ मुर्गीपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक समूह का गठन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक महिला को 24 कड़कनाथ मुर्गियां दी जाएंगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो दीदियां मुर्गीपालन कर रही हैं और साथ-साथ बकरी पालन में रुचि रखती हैं, उनके लिए एक सप्ताह के भीतर बकरी पालन की अलग कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि दीदियों को बहु-आय स्त्रोत उपलब्ध हो सके।

इस संपूर्ण पहल का मुख्य लक्ष्य भारत सरकार की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना को जमीन स्तर पर सफल बनाना है, जिससे प्रत्येक दीदी सम्मानजनक आय अर्जित कर लखपति बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। निर्देशानुसार 15 दिवस के भीतर कार्य प्रारंभ किया जाएगा तथा मुर्गी चूजों का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में दीदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और योजना को सफल बनाने का संकल्प लिया।